अथवा

'मैला आँचल' उपन्यास की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए : **4×4=16**

(अ) 'गोदान' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए ।

(ब) 'गोदान' में छुआछूत की समस्या पर टिप्पणी कीजिए ।

(स) 'मैला आँचल' उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

(द) 'मैला आँचल' उपन्यास की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए ।

(इ) 'चीफ की दावत' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

(फ) 'मलबे का मालिक' कहानी के कथ्य की समीक्षा कीजिए ।

(ग) 'आकाशदीप' कहानी की भाषा-संरचना पर टिप्पणी कीजिए ।

No. of Printed Pages : 05 Roll No. .....

55116

M. A. (NEP-2020)

EXAMINATION, 2026

(Second Semester)

HINDI

हिंदी कथा साहित्य

Time : 3 *Hours*] [*Maximum Marks :* 70

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **2×6=12**

(अ) मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है; सब जल तरल है; सब पवन शीतल है । कोई विशेष आकांक्षा

हृदय में अग्नि के समान प्रज्जवलित नहीं । सब मिलाकर मेरे लिए एक शून्य है । प्रिय ! नाविक तुम लौट जाओ, विभवों का सुख भोगने के लिए और मुझे छोड़ दो इन निरीह भोले-भाले प्राणियों के दुःख की सहानुभूति और सेवा के लिए ।

(ब) दोनों सज्जन फिर जो खेलने बैठे, तो तीन बज गए । अबकी मिरजा जी की बाजी कमजोर थी। चार का गजर बज ही रहा था कि फौज की वापसी की आहट मिली, नवाब वाजिद अली पकड़ लिए गए थे, और सेना उन्हें किसी अज्ञात स्थान को लिए जा रही थी । शहर में न कोई हलचल थी, न मार-काट । एक बूँद भी खून नहीं गिरा । आज तक किसी स्वाधीन देश के राजा की पराजय इतनी शांति से, इस तरह खून बहे बिना न हुई होगी ।

(स) जले हुए किवाड़ का चौखट साढ़े सात साल मलबे में से सिर निकाले खड़ा तो रहा था, मगर उसकी लकड़ी बुरी तरह भुरभुरा गई थी । गनी के सिर के छूने से उसके कई रेशे झड़कर बिखर गए । कुछ रेशे गनी की टोपी और बालों पर आ गिरे । लकड़ी के रेशों के साथ एक केंचुआ भी नीचे गिरा जो गनी के पैर से छः आठ इंच दूर नाली के साथ बनी ईंटों की पटरी पर सरसराने लगा ।

(द) बालपन की वह खरोंच ग्रंथि बन गई थी । जब भी पच्चीस की संख्या पढ़ता या लिखता, उसे पच्चीस चौका डेढ़ सौ ही याद आता । साथ ही याद आता पिता जी का विश्वास भरा चेहरा और मास्टर शिव नारायण मिश्रा का गाली-गलौज करता लाल-लाल गुस्सैल चेहरा । दोनों चेहरे एक साथ स्मृति में दबाए पच्चीस चौका डेढ़ सौ की अंधेरी दुर्गम गलियों में भटकने लगा ।

2. सिद्ध कीजिए की 'गोदान' कृषक जीवन की पीड़ा का महाकाव्यात्मक उपन्यास है । **12**

अथवा

'गोदान' उपन्यास की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए ।

3. 'मैला आँचल' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए । **12**

अथवा

'मैला आँचल' उपन्यास के कलागत वैशिष्ट्य की समीक्षा कीजिए ।

4. 'गोदान' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। **12**

6. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1×6=6**

(अ) 'गोदान' उपन्यास के लेखक कौन हैं ?

(ब) 'कालीचरण' किस उपन्यास का पात्र है ?

(स) 'शतरंज के खिलाड़ी' किसकी कहानी है ?

(द) सुदीप किस कहानी का पात्र है ?

(इ) 'मलबे का मालिक' कहानी की पृष्ठभूमि क्या है ?

(फ) 'मैला आँचल' किस प्रकार का उपन्यास है ?

❖❖❖❖❖❖❖

6. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1×6=6**

(अ) 'गोदान' उपन्यास के लेखक कौन हैं ?

(ब) 'कालीचरण' किस उपन्यास का पात्र है ?

(स) 'शतरंज के खिलाड़ी' किसकी कहानी है ?

(द) सुदीप किस कहानी का पात्र है ?

(इ) 'मलबे का मालिक' कहानी की पृष्ठभूमि क्या है ?

(फ) 'मैला आँचल' किस प्रकार का उपन्यास है ?

❖❖❖❖❖❖❖